

कैलासवास गौरीश ईश  
तैलधारेयन्ते मनसु कोडो हरियल्लि ॥ प ॥

अहोरात्रियलि नानु अनुजराग्रणियागि  
महियोळगे चरिसिदेनो महादेवने  
अहिभूषणने एन्न अवगुणगळ एणिसदले  
विहित धर्मदि विष्णु भकुतियनु कोडो शम्भो ॥

मनसु कारणवल्ल पापपुण्यक्केल्ल  
अनलाक्ष निन्न प्रेरणेयिल्लदे  
दनुज गजमद वैरि दन्ड प्रणाममाळपे  
मणिसो ई शिरव सज्जन चरण कमलदलि ॥

भागीरथीधरने भयव परिहरिसय्य  
लेसागि नी सलहो सतत सर्वदेवा  
भागवतजन प्रिय विजय विठलन्धि  
जागु माडदे भजिप भाग्यवनु कोडो शम्भो ॥